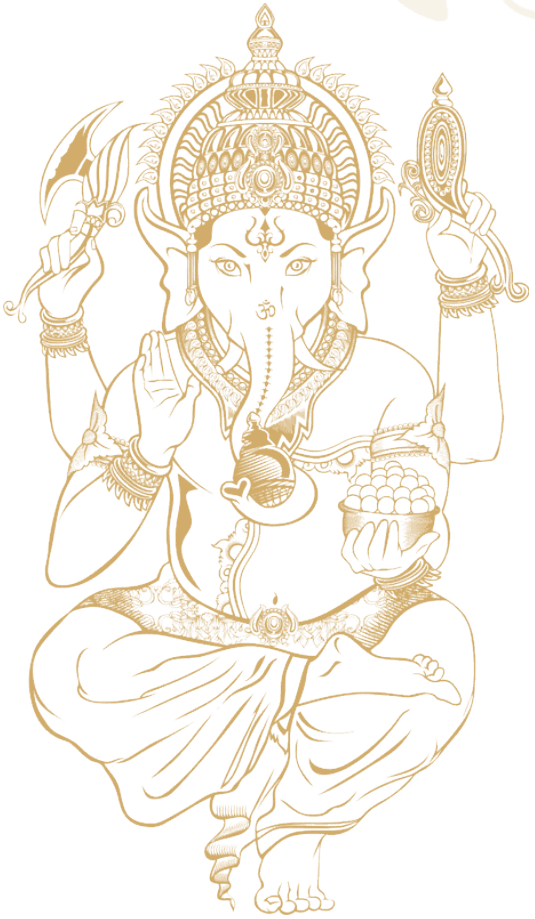

Gobind

22 Mar 2026

11:05 AM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121689303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/03/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:05:00 घंटे**
इष्ट	12:10:28 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:54:48 घंटे
वेलान्तर	-00:06:54 घंटे
साम्पातिक काल	22:53:46 घंटे
सूर्योदय	06:12:48 घंटे
सूर्यास्त	18:21:49 घंटे
दिनमान	12:09:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:22:55 मीन
लग्न के अंश	00:20:15 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:20:15	338:06:26	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			मीन	07:22:55	00:59:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	19:38:42	14:29:41	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	21:14:07	00:47:08	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:21:48	00:08:11	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:03:40	00:02:08	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	25:21:42	01:14:14	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	10:06:15	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:36:00	00:03:03	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:36:00	00:03:03	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:08:23	00:02:15	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:36:35	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:48:48	00:01:12	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	17:49:17	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

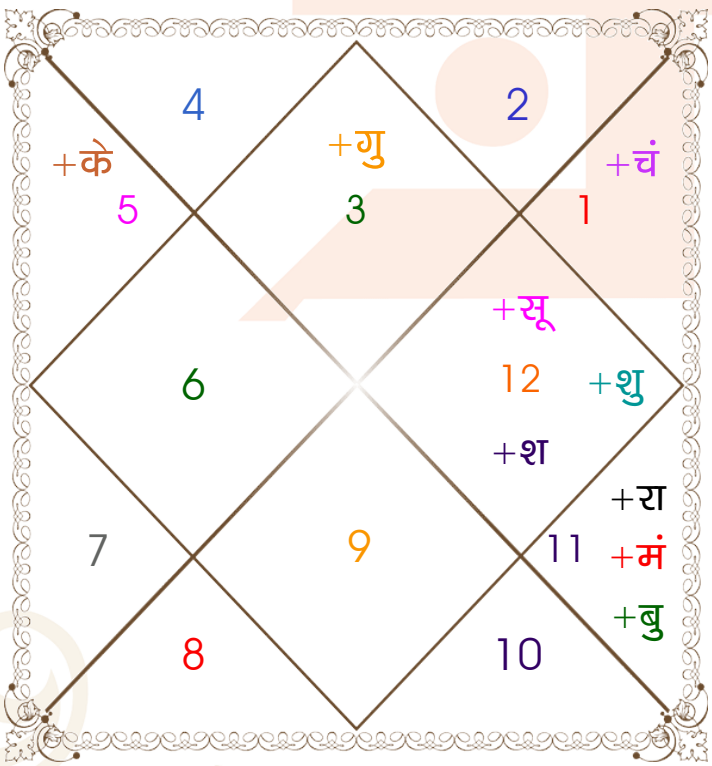

चन्द्र कुंडली

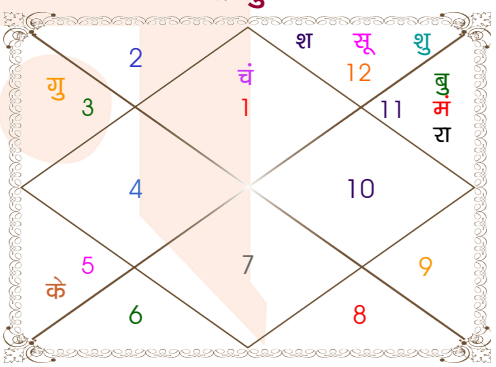

नवमांश कुंडली

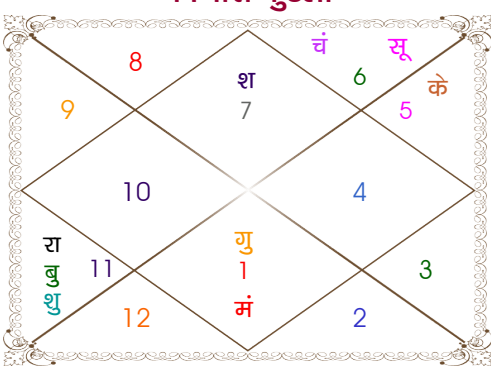

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 6 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/03/2026		02/10/2036		02/10/2042		02/10/2052		03/10/2059	
02/10/2036		02/10/2042		02/10/2052		03/10/2059		02/10/2077	
	00/00/0000	सूर्य	19/01/2037	चंद्र	03/08/2043	मंगल	28/02/2053	राहु	15/06/2062
	00/00/0000	चंद्र	21/07/2037	मंगल	03/03/2044	राहु	19/03/2054	गुरु	07/11/2064
	00/00/0000	मंगल	26/11/2037	राहु	02/09/2045	गुरु	22/02/2055	शनि	14/09/2067
	22/03/2026	राहु	21/10/2038	गुरु	02/01/2047	शनि	02/04/2056	बुध	03/04/2070
राहु	02/12/2026	गुरु	09/08/2039	शनि	02/08/2048	बुध	30/03/2057	केतु	21/04/2071
गुरु	02/08/2029	शनि	21/07/2040	बुध	01/01/2050	केतु	27/08/2057	शुक्र	21/04/2074
शनि	02/10/2032	बुध	27/05/2041	केतु	03/08/2050	शुक्र	27/10/2058	सूर्य	16/03/2075
बुध	03/08/2035	केतु	02/10/2041	शुक्र	02/04/2052	सूर्य	04/03/2059	चंद्र	14/09/2076
केतु	02/10/2036	शुक्र	02/10/2042	सूर्य	02/10/2052	चंद्र	03/10/2059	मंगल	02/10/2077

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/10/2077		02/10/2093		03/10/2112		03/10/2129		03/10/2136	
02/10/2093		03/10/2112		03/10/2129		03/10/2136		00/00/0000	
गुरु	20/11/2079	शनि	05/10/2096	बुध	02/03/2115	केतु	01/03/2130	शुक्र	02/02/2140
शनि	03/06/2082	बुध	15/06/2099	केतु	27/02/2116	शुक्र	01/05/2131	सूर्य	02/02/2141
बुध	08/09/2084	केतु	25/07/2100	शुक्र	28/12/2118	सूर्य	06/09/2131	चंद्र	03/10/2142
केतु	14/08/2085	शुक्र	25/09/2103	सूर्य	03/11/2119	चंद्र	06/04/2132	मंगल	04/12/2143
शुक्र	14/04/2088	सूर्य	05/09/2104	चंद्र	04/04/2121	मंगल	02/09/2132	राहु	23/03/2146
सूर्य	01/02/2089	चंद्र	07/04/2106	मंगल	01/04/2122	राहु	21/09/2133		00/00/0000
चंद्र	03/06/2090	मंगल	17/05/2107	राहु	18/10/2124	गुरु	28/08/2134		00/00/0000
मंगल	10/05/2091	राहु	23/03/2110	गुरु	24/01/2127	शनि	07/10/2135		00/00/0000
राहु	02/10/2093	गुरु	03/10/2112	शनि	03/10/2129	बुध	03/10/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 6 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।